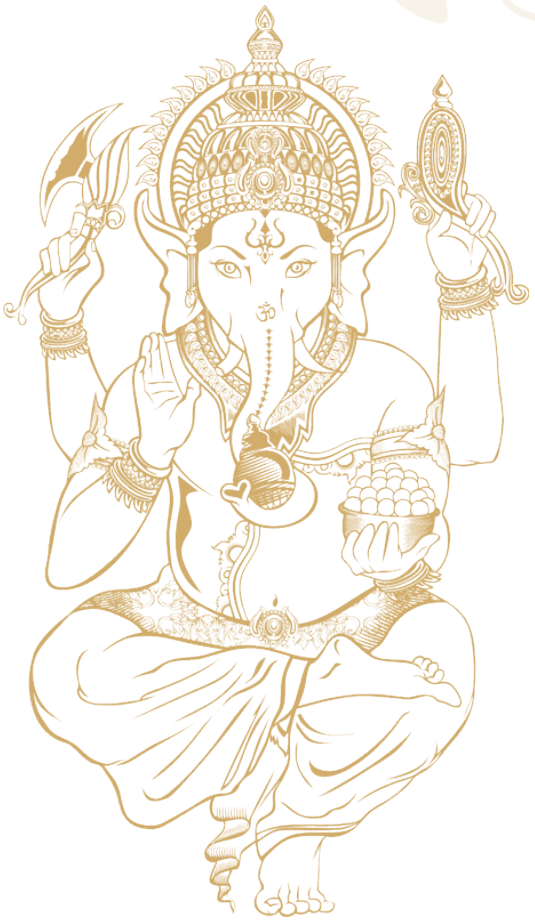

# Mr.Narendra Yadav

# Ms.Bulbul

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120681301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120681301 Date: 23/12/2025

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 14-15/12/1993 | जन्म तिथि | 10-11/12/1994 |
| मंगल-बुधवार | दिन | शनि-रविवार |
| घंटे 01:20:00 | जन्म समय | 06:20:00 घंटे |
| घटी 46:12:57 | जन्म समय(घटी) | 58:49:27 घटी |
| India | देश | India |
| Itarsi | स्थान | Hoshangabad |
| 22:39:00 उत्तर | अक्षांश | 22:44:00 उत्तर |
| 77:48:00 पूर्व | रेखांश | 77:45:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:18:48 | स्थानिक संस्कार | -00:19:00 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:50:49 | सूर्योदय | 06:48:34 |
| 17:36:09 | सूर्यास्त | 17:34:49 |
| 23:46:36 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:47:22 |

| | | |
|---|---|---|
| कन्या | लग्न | वृश्चिक |
| बुध | लग्न लग्नाधिपति | मंगल |
| धनु | राशि | मीन |
| गुरु | राशि-स्वामी | गुरु |
| पूर्वाषाढ़ा | नक्षत्र | उ०भाद्रपद |
| शुक्र | नक्षत्र स्वामी | शनि |
| 2 | चरण | 2 |
| वृद्धि | योग | सिद्धि |
| कौलव | करण | कौलव |
| धा-धर्मेन्द्र | जन्म नामाक्षर | थ-थाकोरी |
| धनु | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | धनु |
| क्षत्रिय | वर्ण | विप्र |
| मानव | वश्य | जलचर |
| वानर | योनि | गौ |
| मनुष्य | गण | मनुष्य |
| मध्य | नाड़ी | मध्य |
| सर्प | वर्ग | सर्प |

# ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शुक्र 13वर्ष 6मा 13दि | | 14:19:55 | कन्या | लग्न | वृश्चि | 17:41:18 | शनि 12वर्ष 1मा 23दि | |
| मंगल | | 29:04:17 | वृश्चि | सूर्य | वृश्चि | 24:57:18 | केतु | |
| 29/06/2023 | | 17:38:30 | धनु | चंद्र | मीन | 08:08:34 | 03/02/2024 | |
| 29/06/2030 | | 02:19:14 | धनु | मंगल | सिंह | 05:51:46 | 02/02/2031 | |
| मंगल | 25/11/2023 | 18:02:45 | वृश्चि | बुध | वृश्चि | 23:13:59 | केतु | 01/07/2024 |
| राहु | 13/12/2024 | 13:05:41 | तुला | गुरु | वृश्चि | 06:33:10 | शुक्र | 31/08/2025 |
| गुरु | 19/11/2025 | 21:06:19 | वृश्चि | शुक्र | तुला | 14:03:05 | सूर्य | 06/01/2026 |
| शनि | 29/12/2026 | 01:44:41 | कुंभ | शनि | कुंभ | 12:45:21 | चन्द्र | 07/08/2026 |
| बुध | 26/12/2027 | 09:12:18 | वृश्चि व | राहु | तुला | 20:33:17 | मंगल | 03/01/2027 |
| केतु | 23/05/2028 | 09:12:18 | वृष व | केतु | मेष | 20:33:17 | राहु | 21/01/2028 |
| शुक्र | 23/07/2029 | 26:49:52 | धनु | हर्ष | मक | 00:32:25 | गुरु | 27/12/2028 |
| सूर्य | 28/11/2029 | 26:03:41 | धनु | नेप | धनु | 28:02:11 | शनि | 05/02/2030 |
| चन्द्र | 29/06/2030 | 02:42:26 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 04:59:17 | बुध | 02/02/2031 |

व - वकी  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

**23:46:36  चित्रपक्षीय अयनांश  23:47:22**

## लग्न-चलित

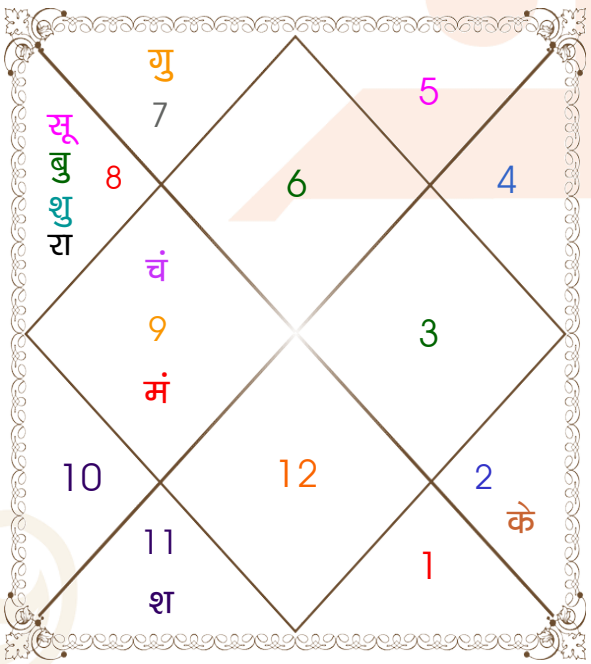


## लग्न-चलित

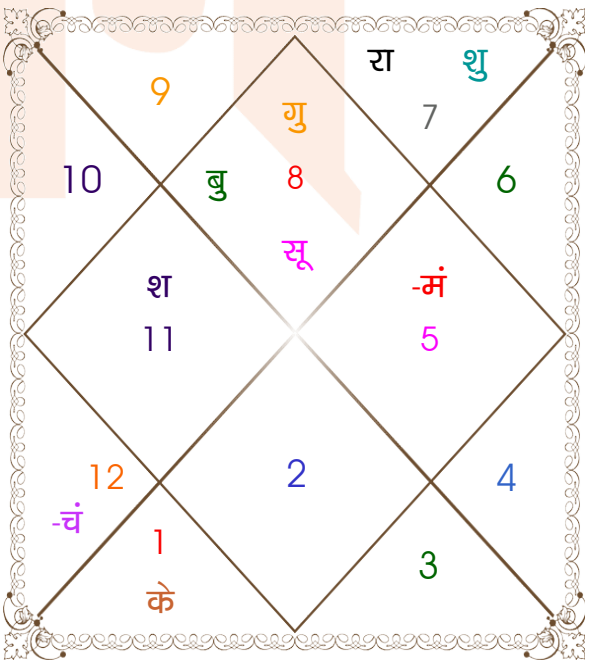


**Shri Dadaji Jyotish kendra**
Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi
8871726789
dadajiJyotishkendra@gmail.com

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | विप्र | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | जलचर | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | क्षेम | वध | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | वानर | गौ | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | गुरु | गुरु | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | मनुष्य | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | धनु | मीन | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | मध्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 22.50 | | |

कुल : **22.5 / 36**

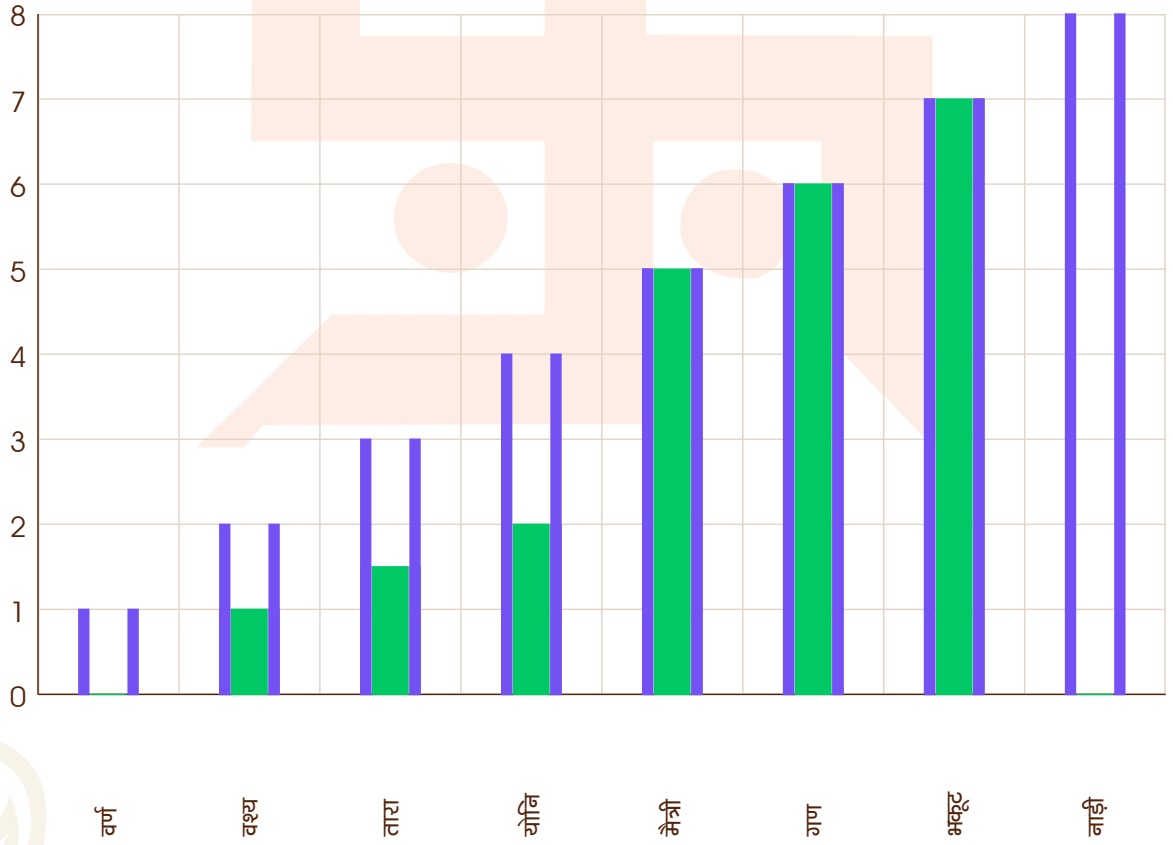


**Shri Dadaji Jyotish kendra**
Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi
8871726789
dadajiJyotishkendra@gmail.com

# अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Mr.Narendra Yadav का वर्ग सर्प है तथा डेण्ठनसइनस का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Narendra Yadav और डेण्ठनसइनस का मिलान शुभ है।

## मंगलीक दोष मिलान

Mr.Narendra Yadav मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr.Narendra Yadav कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्ठनसइनस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।**
**अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।**

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डेण्ठनसइनस कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Narendra Yadav तथा डेण्ठनसइनस में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

# अष्टकूट फलादेश

## वर्ण

Mr.Narendra Yadav का वर्ण क्षत्रिय तथा डेण्ठनसइनस का वर्ण ब्राह्मण है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच सदैव अहं का टकराव होता रहेगा। साथ ही डेण्ठनसइनस हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रस्त रहेंगी तथा स्वयं को अपने पति से हमेशा अधिक बुद्धिमान एवं चतुर समझेंगी। श्रेष्ठता की यही भावना Mr.Narendra Yadav एवं बच्चों के विकास में बाधक साबित हो सकती है।

## वश्य

Mr.Narendra Yadav का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं डेण्ठनसइनस का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसंद/नापसंद अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। Mr.Narendra Yadav एवं डेण्ठनसइनस दोनों अपने-अपने अलग कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में Mr.Narendra Yadav एवं डेण्ठनसइनस दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

## तारा

Mr.Narendra Yadav की तारा क्षेम तथा डेण्ठनसइनस की तारा वध है। डेण्ठनसइनस की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह Mr.Narendra Yadav एवं डेण्ठनसइनस दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। डेण्ठनसइनस अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

## योनि

Mr.Narendra Yadav की योनि वानर है तथा डेण्ठनसइनस की योनि गौ है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव

भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

## मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.Narendra Yadav एवं डेण्ठनसइनस दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr.Narendra Yadav एवं डेण्ठनसइनस दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

## गण

Mr.Narendra Yadav का गण मनुष्य तथा डेण्ठनसइनस का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे।˙ तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

## भकूट

Mr.Narendra Yadav से डेण्ठनसइनस की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा डेण्ठनसइनस से Mr.Narendra Yadav की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.Narendra Yadav परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर डेण्ठनसइनस घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

## नाड़ी

Mr.Narendra Yadav की नाड़ी मध्य है तथा डेण्ठनसइनस की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Mr.Narendra Yadav एवं डेण्ठनसइनस का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

Mr.Narendra Yadav की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त धनु तथा डेण्ठनसइनस की जन्म राशि जलतत्व युक्त मीन राशि है। अग्नि एवं जल में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Mr.Narendra Yadav और डेण्ठनसइनस के दाम्पत्य संबंधों में अनुकूलता सामंजस्य तथा बुद्धिमता से ही होगी तथा वैवाहिक जीवन का सुख भी प्राप्त होगा। अतः मिलान सामान्यतया अच्छा रहेगा।

Mr.Narendra Yadav और डेण्ठनसइनस की राशि का स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से दोनों के मध्य मित्रता पूर्ण संबध रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव विद्यमान होगा। साथ ही एक दूसरे की कमियों की अपेक्षा गुणों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे संबधों में मधुरता बनी रहेगी। Mr.Narendra Yadav और डेण्ठनसइनस सुख दुख के समय पर एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। अतः वैवाहिक जीवन सुख एवं आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

Mr.Narendra Yadav और डेण्ठनसइनस की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Mr.Narendra Yadav और डेण्ठनसइनस का परस्पर सम्मान जनक व्यवहार रहेगा तथा एक दूसरे के अस्तित्व को पूर्ण रूप से स्वीकार करके परस्पर व्यवहार करेंगे। अपनी इस प्रवृति से जीवन में समस्त सुखों का उपभोग करेंगे तथा परिवार में शांति तथा सदभावना का वातावरण भी बना रहेगा। साथ ही अपने समस्त सांसारिक कार्यो को परस्पर सलाह तथा बुद्धिमता से सम्पन्न करेंगे एवं मतभेद उत्पन्न होने पर सामंजस्य स्थापित करेंगे। अतः जीवन सुखमय रहेगा।

Mr.Narendra Yadav का वश्य चतुष्पद एवं डेण्ठनसइनस का वश्य जलचर है। चतुष्पद तथा जलचर की परस्पर मित्रता एवं समानता रहती है। अतः Mr.Narendra Yadav और डेण्ठनसइनस की अभिरूचियां तथा आवश्यकताओं में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर शुभ मिलान होगा। साथ ही कामसंबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे जिससे परस्पर संबधों में मधुरता विद्यमान रहेगी।

Mr.Narendra Yadav का वर्ण क्षत्रिय तथा डेण्ठनसइनस का वर्ण ब्राह्मण है अतः Mr.Narendra Yadav की प्रवृति परिश्रमी पराक्रमी तथा साहसिक कार्यो में रहेगी जबकि डेण्ठनसइनस धार्मिक शैक्षणिक तथा सत्कार्यो को करने में तत्पर रहेंगी। अतः इनका कार्य क्षेत्र सामान्यतया सुदृढ़ ही रहेगा।

## धन

Mr.Narendra Yadav और डेण्ठनसइनस दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ

अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

## स्वास्थ्य

Mr.Narendra Yadav और डेण्ठनसइनस  मध्य नाड़ी में उत्पन्न हुए है। जिससे इंगित होता है कि वे नाड़ी दोष से प्रभावित रहेंगे लेकिन उनका जन्म अलग अलग नक्षत्रों में हुआ है तथा उनकी राशि का स्वामी एक ही ग्रह है। अतः इससे नाड़ी दोष का प्रभाव समाप्त हो जाता है। लेकिन डेण्ठनसइनस  के स्वास्थ्य पर मंगल का दुष्प्रभाव रहेगा जिससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानियों का सामना करेंगी। साथ ही धातु या गुप्त रोगों से उनको असुविधा रहेगी एवं मासिक धर्म की अनियमिताओं से भी कष्ट की प्राप्ति होगी। अतः उपरोक्त दुष्प्रभावों से सुरक्षित रहने के लिए डेण्ठनसइनस  को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

## संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.Narendra Yadav और डेण्ठनसइनस  का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.Narendra Yadav और डेण्ठनसइनस  के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डेण्ठनसइनस  के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डेण्ठनसइनस  को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डेण्ठनसइनस  को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.Narendra Yadav और डेण्ठनसइनस  सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.Narendra Yadav और डेण्ठनसइनस  का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

डेण्ठनसइनस  के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद डेण्ठनसइनस  अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से डेण्ठनसइनस  पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि डेण्ठनसइनस  अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

## ससुराल-श्री

Mr.Narendra Yadav के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Mr.Narendra Yadav अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Mr.Narendra Yadav के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Mr.Narendra Yadav के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।